

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गजट/38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001.”



पंजीयन क्रमांक  
“छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015.”

# छत्तीसगढ़ राजपत्र

## प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 5 ]

रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 31 जनवरी 2020—माघ 11, शक 1941

### भाग 3 ( 1 )

#### विज्ञापन

#### अन्य सूचनाएं

#### नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, मोहम्मद जाहिद आत्मज श्री अजमेरी खान, उम्र 45 वर्ष, निवासी-म. नं.-326, फरीद नगर, भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ. ग.) का हूँ. यह कि मेरा वास्तविक नाम मोहम्मद जाहिद (Mohammad Zahid) है, किन्तु मेरे समस्त शासकीय/अर्द्धशासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम (Mohammad Jahid) दर्ज है. “Jahid” जो कि त्रुटिपूर्ण है. मैं अपने वास्तविक नाम को मेरे समस्त शासकीय/अर्द्धशासकीय अभिलेखों/दस्तावेजों में दर्ज कराने के संबंध में सक्षम प्राधिकारी के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत कर दिया हूँ.

अतः अब मुझे मोहम्मद जाहिद (Mohammad Zahid) आ. श्री अजमेरी खान के नाम से जाना, पहचाना, पुकारा व दर्ज किया जावे.

#### पुराना नाम

मोहम्मद जाहिद  
(Mohammad Jahid)  
पिता-श्री अजमेरी खान  
निवासी-म. नं.-326,  
फरीद नगर, भिलाई,  
तह. व जिला-दुर्ग (छ. ग.)

#### नया नाम

मोहम्मद जाहिद  
(Mohammad Zahid)  
पिता-श्री अजमेरी खान  
निवासी-म. नं.-326,  
फरीद नगर, भिलाई,  
तह. व जिला-दुर्ग (छ. ग.)

### नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, गुलेश्वर प्रसाद साहू आत्मज स्व. लोकनाथ साहू, उम्र 55 वर्ष, निवासी-ब्लाक नं.-1/ए, सड़क नं.-07, सेक्टर-01, भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग (छ. ग.) का हूँ। यह कि मैं भिलाई इस्पात संयंत्र भिलाई में कार्यरत हूँ। मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरा लघु नाम जी. पी. साहू दर्ज है। जबकि मेरा पूर्ण नाम गुलेश्वर प्रसाद साहू है। मैं मेरे सर्विस रिकार्ड में व समस्त अभिलेखों/दस्तावेजों में मेरा पूर्ण नाम दर्ज कराने के संबंध में सक्षम प्राधिकारी के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत कर दिया हूँ।

अतः अब मुझे गुलेश्वर प्रसाद साहू आ. स्व. लोकनाथ साहू के नाम से जाना, पहचाना, पुकारा व दर्ज किया जावे।

#### पुराना नाम

जी. पी. साहू  
(G. P. Sahu)  
पिता-स्व. लोकनाथ साहू  
निवासी-ब्लाक नं.-1/ए, सड़क नं.-07,  
सेक्टर-01, भिलाई नगर,  
तह. व जिला-दुर्ग (छ. ग.)

#### नया नाम

गुलेश्वर प्रसाद साहू  
(Guleshwar Prasad Sahu)  
पिता-स्व. लोकनाथ साहू  
निवासी-ब्लाक नं.-1/ए, सड़क नं.-07,  
सेक्टर-01, भिलाई नगर,  
तह. व जिला-दुर्ग (छ. ग.)

### नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, रूपनारायण दिल्लीवार आत्मज स्व. हीरालाल दिल्लीवार, उम्र 65 वर्ष, निवासी-ग्राम-समोदा, तहसील व जिला दुर्ग (छ. ग.) का हूँ। यह कि मेरे शैक्षणिक प्रमाण पत्रों, पेनकार्ड व आधार कार्ड में मेरा नाम रूपनारायण दिल्लीवार दर्ज है, जो कि सही है, किन्तु मेरे नाम पर स्थित भूमि के राजस्व अभिलेख में मेरा नाम मुरारी लाल दर्ज है। जिसे परिवर्तित कर, मेरे वास्तविक नाम को, मेरे समस्त शासकीय/अर्द्धशासकीय अभिलेखों व दस्तावेजों में दर्ज कराने के संबंध में सक्षम प्राधिकारी के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत कर दिया हूँ।

अतः अब मुझे रूपनारायण दिल्लीवार आ. स्व. हीरालाल दिल्लीवार के नाम से जाना, पहचाना, पुकारा व दर्ज किया जावे।

#### पुराना नाम

मुरारी लाल  
(MURARI LAL)  
पिता-स्व. हीरालाल दिल्लीवार  
निवासी-ग्राम-समोदा,  
तह. व जिला-दुर्ग (छ. ग.)

#### नया नाम

रूपनारायण दिल्लीवार  
(ROOPNARAYAN DILLIWAR)  
पिता-स्व. हीरालाल दिल्लीवार  
निवासी-ग्राम-समोदा,  
तह. व जिला-दुर्ग (छ. ग.)

### नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, नीलाद्री आत्मज स्व. नंदेश, उम्र 59 वर्ष, निवासी-क्वा. नं.-7/बी, सड़क नं.-21/ए, सेक्टर-07, भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ. ग.) का हूँ। यह कि पूर्व में मेरा नाम नीलाद्री मेहतर आ. श्री नंदेश था जो कि मेरे शैक्षणिक प्रमाण पत्रों व सर्विस रिकार्ड में दर्ज है। मैं अपने नाम को परिवर्तित कर नया नाम नीलाद्री रख लिया हूँ। तथा इस आशय के संबंध में सक्षम प्राधिकारी के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत कर दिया हूँ।

अतः अब मुझे नीलाद्री आ. स्व. नंदेश के नाम से जाना, पहचाना, पुकारा व दर्ज किया जावे।

पुराना नाम	नया नाम
नीलाद्री मेहतर पिता-श्री नंदेश निवासी-क्वा. नं.- 7/बी, सड़क नं.-21/ए, सेक्टर-07, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ. ग.)	नीलाद्री पिता-स्व. नंदेश निवासी-क्वा. नं.-7/बी, सड़क नं.-21/ए, सेक्टर-07, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ. ग.)

### नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, मोहम्मद रियाज झाडोदिया आत्मज मोहम्मद कासम झाडोदिया उम्र 45 वर्ष, निवासी-नंदई रोड, डबरीपारा हास्टल के सामने, राजनांदगांव, तहसील व जिला-राजनांदगांव (छ. ग.) का हूँ। यह कि मेरे समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्रों में मेरा नाम रियाजुद्दीन आ. कासमुद्दीन दर्ज है जो त्रुटिपूर्ण है, जबकि मेरा वास्तविक नाम मोहम्मद रियाज झाडोदिया आ. मोहम्मद कासम झाडोदिया है। मैं मेरे वास्तविक नाम को, मेरे समस्त शासकीय/अर्द्धशासकीय अभिलेखों/दस्तावेजों में दर्ज कराने के संबंध में सक्षम प्राधिकारी के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत कर दिया हूँ।

अतः अब मुझे मोहम्मद रियाज झाडोदिया आ. मोहम्मद कासम झाडोदिया के नाम से जाना, पहचाना, पुकारा व दर्ज किया जावे।

पुराना नाम	नया नाम
रियाजुद्दीन पिता-कासमुद्दीन निवासी-नंदई रोड, डबरीपारा, हास्टल के सामने, राजनांदगांव, तह. व जिला-राजनांदगांव (छ. ग.)	मोहम्मद रियाज झाडोदिया पिता-मोहम्मद कासम झाडोदिया निवासी-नंदई रोड, डबरीपारा, हास्टल के सामने, राजनांदगांव, तह. व जिला-राजनांदगांव (छ. ग.)

## उपनाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, श्रीमती भारती आहूजा आर्य ध. प. श्री विजेन्द्र प्रताप आर्य, उम्र 30 वर्ष, निवासी-खंडेलवाल कालोनी, वार्ड नं.-39, राजनांदगांव, तहसील व जिला राजनांदगांव (छ. ग.) की हूँ। यह कि पूर्व में मेरा नाम भारती आहूजा था। मेरा विवाह दिनांक 10-12-2017 को श्री विजेन्द्र प्रताप आर्य के साथ संपन्न हुआ। पश्चात मैंने अपना नाम परिवर्तित कर नया नाम/उपनाम “श्रीमती भारती आहूजा आर्य” रख ली हूँ तथा इस आशय के संबंध में सक्षम प्राधिकारी के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत कर दी हूँ।

अतः अब मुझे श्रीमती भारती आहूजा आर्य ध. प. श्री विजेन्द्र प्रताप आर्य के नाम से जाना, पहचाना, पुकारा व दर्ज किया जावे।

### पुराना नाम

भारती आहूजा  
पिता-श्री राजेश आहूजा  
निवासी-गली नं.-3,  
तेलीबांधा, रायपुर,  
तह. व जिला-रायपुर (छ. ग.)

### नया नाम

श्रीमती भारती आहूजा आर्य  
पति-श्री विजेन्द्र प्रताप आर्य  
निवासी-खंडेलवाल कालोनी,  
वार्ड नं.-39, राजनांदगांव,  
तह. व जिला-राजनांदगांव (छ. ग.)

## उपनाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, गोविन्द नारायण आत्मज स्व. नारायण सखाराम कुलकर्णी, उम्र 55 वर्ष, निवासी-साई कृपा, प्लॉट नं.- 69, शिवाजी नगर, कोहका, सुपेला, भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ. ग.) का हूँ। यह कि मैं भिलाई इस्पात संयंत्र भिलाई में कार्यरत हूँ। मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम गोविन्द नारायण आ. नारायण कुलकर्णी व मेरे कुछ अन्य दस्तावेजों में जी. एन. कुलकर्णी आ. एन. एस. कुलकर्णी, गोविन्द नारायण कुलकर्णी आ. सखाराम नारायण कुलकर्णी, गोविन्द कुलकर्णी आ. नारायण सखाराम कुलकर्णी, गोविन्द एन. कुलकर्णी दर्ज है जो कि अपूर्ण व त्रुटिपूर्ण है। जबकि मेरा पूर्ण नाम गोविन्द नारायण आ. स्व. नारायण सखाराम कुलकर्णी है मैं मेरे पूर्ण नाम को मेरे सर्विस रिकार्ड व अन्य समस्त शासकीय/अर्द्धशासकीय अभिलेखों/दस्तावेजों में दर्ज कराने के संबंध में सक्षम प्राधिकारी के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत कर दिया हूँ।

अतः अब मुझे गोविन्द नारायण आ. स्व. नारायण सखाराम कुलकर्णी के नाम से जाना, पहचाना, पुकारा व दर्ज किया जावे।

### पुराना नाम

गोविन्द नारायण कुलकर्णी  
(Govind Narayan Kulkarni)  
जी. एन. कुलकर्णी, गोविन्द कुलकर्णी,  
गोविन्द एन. कुलकर्णी  
पिता-नारायण कुलकर्णी  
(Narayan Kulkarni)  
श्री एन. एस. कुलकर्णी,  
सखाराम नारायण कुलकर्णी,  
निवासी-साई कृपा, प्लॉट नं.- 69,  
शिवाजी नगर, कोहका,  
सुपेला, भिलाई,  
तह. व जिला-दुर्ग (छ. ग.)

### नया नाम

गोविन्द नारायण  
(Govind Narayan)  
पिता-स्व. नारायण सखाराम कुलकर्णी  
(S/o-Late-Narayan Sakharan Kulkarni)  
श्री एन. एस. कुलकर्णी  
निवासी-साई कृपा, प्लॉट नं.- 69,  
शिवाजी नगर, कोहका,  
सुपेला, भिलाई,  
तह. व जिला-दुर्ग (छ. ग.)

## उपनाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, टेकराम डडसेना, आत्मज स्व. ब्यास नारायण डडसेना, उम्र 53 वर्ष, निवासी-एम. आई. जी.-1/167, आमदी नगर, वार्ड नं.-70, हुडको, भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ. ग.) का हूँ। यह कि मेरे शैक्षणिक प्रमाण पत्रों में मेरा नाम टेकराम आ. श्री ब्यास नारायण तथा कुछ अन्य अभिलेखों में टेकराम आ. श्री ब्यास नारायण दर्ज है, जो अपूर्ण व त्रुटिपूर्ण है। जबकि मेरे पिता का वास्तविक नाम ब्यास नारायण डडसेना है। मैं अपने नाम के साथ “डडसेना” उपनाम जोड़कर पूर्ण नाम टेकराम डडसेना रख लिया हूँ तथा इस आशय के संबंध में सक्षम प्राधिकारी के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत कर दिया हूँ।

अतः अब मुझे टेकराम डडसेना आ. स्व. ब्यास नारायण डडसेना के नाम से जाना, पहचाना, पुकारा व दर्ज किया जावे।

पुराना नाम	नया नाम
टेकराम (Tekram)	टेकराम डडसेना (Tekram Dadsena)
पिता-ब्यास नारायण (Vyas Narayan)	पिता-स्व. ब्यास नारायण डडसेना (S/o-Late Byas Narayan Dadsena)
ब्यास नारायण (Byas Narayan)	निवासी-एम. आई. जी.-1/167, आमदी नगर, वार्ड नं.-70, हुडको, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ. ग.)

## उपनाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, जया अग्रवाल आत्मजा श्री प्रशांत बुधिया, उम्र 19 वर्ष, जाति अग्रवाल, निवासी-नगर-सूरजपुर, थाना व तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ. ग.) की हूँ। यह कि पूर्व में मेरा नाम जया बुधिया था जो कि मेरे समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्रों में दर्ज है। मैं अपने उपनाम “बुधिया” को परिवर्तित कर नया उपनाम “अग्रवाल” जोड़कर नया नाम/उपनाम जया अग्रवाल रख ली हूँ। तथा इस आशय के संबंध में सक्षम प्राधिकारी के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत कर दी हूँ।

अतः अब मुझे जया अग्रवाल आत्मजा श्री प्रशांत बुधिया के नाम से जाना, पहचाना, पुकारा व दर्ज किया जावे।

पुराना नाम	नया नाम
जया बुधिया	जया अग्रवाल
पिता-श्री प्रशांत बुधिया	पिता-श्री प्रशांत बुधिया
निवासी-नगर-सूरजपुर, थाना व तहसील- सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ. ग.)	निवासी-नगर-सूरजपुर, थाना व तहसील- सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ. ग.)

## उपनाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, इति श्रीवास्तव आत्मजा श्री राजेश श्रीवास्तव, उम्र 31 वर्ष, निवासी-सी-8, चौहान हाउसिंग प्रायवेट लिमिटेड, ड्रीमवर्ल्ड, नेहरू नगर, भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ. ग.) की हूँ। यह कि मैं कैनरा बैंक भिलाई में कार्यरत हूँ। मेरा विवाह दिनांक 13-04-2016 को श्री प्रतीक विक्टर के साथ संपन्न हुआ। पश्चात् मेरा नाम इति श्रीवास्तव विक्टर हो गया जो कि मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज है, किन्तु दिनांक 30-10-2018 को मेरा विवाह विच्छेद हो गया। मैं अपना नाम परिवर्तित कर नया नाम/उपनाम “इति श्रीवास्तव” रख ली हूँ तथा इस आशय के संबंध में सक्षम प्राधिकारी के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत कर दी हूँ।

अतः अब मुझे इति श्रीवास्तव आत्मजा श्री राजेश श्रीवास्तव के नाम से जाना, पहचाना, पुकारा व दर्ज किया जावे।

पुराना नाम	नया नाम
इति श्रीवास्तव विक्टर पति-श्री प्रतीक विक्टर निवासी-सी-8, चौहान हाउसिंग प्रायवेट लिमिटेड, ड्रीमवर्ल्ड, नेहरू नगर, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ. ग.)	इति श्रीवास्तव पिता-श्री राजेश श्रीवास्तव निवासी-सी-8, चौहान हाउसिंग प्रायवेट लिमिटेड, ड्रीमवर्ल्ड, नेहरू नगर, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ. ग.)

## उपनाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, नागेन्द्र कुमार तिवारी आत्मज श्री उमा शंकर तिवारी, उम्र 58 वर्ष, निवासी-क्वा. नं.-1-एफ/18, जोन-1, सेक्टर-11, वार्ड नं.-29, गौतम नगर, खुर्सीपार, भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ. ग.) का हूँ। यह कि मेरे शैक्षणिक प्रमाण पत्रों व अन्य अभिलेखों/दस्तावेजों में मेरा नाम नागेन्द्र कुमार दर्ज है, जो कि अपूर्ण है। मैं अपने नाम के साथ “तिवारी” उपनाम जोड़कर पूर्ण नाम नागेन्द्र कुमार तिवारी रख लिया हूँ। तथा इस आशय के संबंध में सक्षम प्राधिकारी के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत कर दिया हूँ।

अतः अब मुझे नागेन्द्र कुमार तिवारी आ. श्री उमा शंकर तिवारी के नाम से जाना, पहचाना, पुकारा व दर्ज किया जावे।

पुराना नाम	नया नाम
नागेन्द्र कुमार (Nagendra Kumar) पिता-श्री उमा शंकर तिवारी निवासी-क्वा. नं.-1-एफ/18, जोन-1, सेक्टर-11, वार्ड नं.-29, गौतम नगर, खुर्सीपार, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ. ग.)	नागेन्द्र कुमार तिवारी (Nagendra Kumar Tiwari) पिता-श्री उमा शंकर तिवारी (S/o-Shri Uma Shankar Tiwari) निवासी-क्वा. नं.-1-एफ/18, जोन-1, सेक्टर-11, वार्ड नं.-29, गौतम नगर, खुर्सीपार, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ. ग.)

## विविध

### न्यायालयों की सूचनाएं

न्यायालय पंजीयक लोक न्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दुर्ग जिला दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 4 नवम्बर 2019

प्रारूप

[ देखे नियम 5 (1) ]

[ छत्तीसगढ़ लोक न्यास अधिनियम 1951 (1951 का 30 और छत्तीसगढ़ लोक न्यास नियम 1962 के नियम 5 (1) के द्वारा लोक न्यास के पंजीयक दुर्ग जिला दुर्ग के समक्ष ]

क्रमांक/3039 /प्र. 2/अ. वि. अ./2019.—यतः कि आवेदक श्री श्रीमती नरबदियाबाई पति स्व. प्रेमलाल कश्यप उम्र 92 वर्ष निवासी सदर बाजार दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग छ. ग. द्वारा “कश्यप चेरिटेबल ट्रस्ट पता पानी टंकी के पास शिक्षक नगर बुनियादी कन्या पाठशाला के पास दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग छत्तीसगढ़” के छ. ग. लोक न्यास अधिनियम 1951 की धारा 4 के अंतर्गत एक आवेदन पत्र नीचे लिखित अनुसूची में विनिर्दिष्ट सम्पत्ति के लोक न्यास के रूप में पंजीकृत किए जाने हेतु दिया गया है, एतद्वारा सूचना पत्र जारी कर अपेक्षा की जाती है कि कथित आवेदन पर मेरे न्यायालय में सुनवाई दिनांक 7-2-2020 को विचार किया जावेगा.

किसी आपत्ति या सुझाव को करने का आशय रखते हुए कथित न्यास या सम्पत्ति में हितबद्ध व्यक्ति कोई व्यक्ति इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से एक माह के भीतर मेरे समक्ष स्वयं उपस्थित होकर या अपने अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से या किसी प्राधिकार पत्र के माध्यम से अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से दो प्रतियों में लिखित अभिकथन प्रस्तुत कर सकते हैं. उपरोक्त अवधि के अवसान के बाद किसी भी प्रकार के आपत्ति/दावा पर कोई विचार संभव नहीं हो सकेगा.

#### अनुसूची

(लोक न्यास का नाम और पता व सम्पत्ति का विवरण)

- |    |                        |    |  |
|----|------------------------|----|--|
| 1. | लोक न्यास का नाम व पता | :- | “कश्यप चेरिटेबल ट्रस्ट<br>पता पानी टंकी के पास शिक्षक नगर बुनियादी कन्या पाठशाला के पास दुर्ग<br>तहसील व जिला दुर्ग छत्तीसगढ़”   |
| 2. | चल संपत्ति             | :- | निरंक  |
|    | अक्षरी                 | :- | निरंक  |
| 3. | अचल संपत्ति            | :- | मौजा दुर्ग सदर बाजार में स्थित आवासीय मकान एवं दुकान नजूल शीट<br>नं. 29 सी भूखण्ड क्रमांक 153/2 रकबा 207 वर्गमीटर  |
|    | निर्मित क्षेत्र        | :- | भूतल में 240 वर्गफीट में दूकान भूतल में 1900 वर्गफीट में मकान<br>प्रथम तल में 900 वर्गफीट में मकान-अनुमानित बाजार मूल्य<br>1,50,000,00-00 अक्षरी एक करोड़ पचास लाख रु. मात्र |

**खेमलाल वर्मा**

पंजीयक एवं

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)

## विविध

### अन्य सूचनाएं

#### कार्यालय उप पंजीयक सहकारी संस्थाएँ बालोद (छ. ग.)

बालोद, दिनांक 23 दिसम्बर 2019

क्रमांक/उपबा/परि./2019/831.— प्रगतिशील खदान मजदूर सहकारी समिति मर्या. दल्लीराजहरा पं. 2655 विकासखंड-डौंडी जिला-बालोद को कार्यालयीन आदेश क्र./उपबा/परिसमापन/2019/262 बालोद, दिनांक 02-05-2019 से छ. ग. सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा 69 (2) के अंतर्गत परिसमापन में लाया जा कर धारा 70 (1) के तहत श्री पी. के. मेश्राम अंकेक्षण अधिकारी बालोद को परिसमापक नियुक्त किया गया है.

परिसमापक श्री पी. के. मेश्राम अंकेक्षण अधिकारी द्वारा दिनांक 19-12-2019 को संस्था की विशेष आमसभा आयोजित की गई जिसमें लिये गये निर्णय की छायाप्रति संलग्न है जिसमें प्रस्ताव क्र. 01 में संस्था के परिसमापन आदेश को निरस्त कर पुर्नजीवित करने का सर्व सम्मति से पारित किया गया है. संस्था के परिसमापक श्री पी. के. मेश्राम अंकेक्षण अधिकारी द्वारा संस्था को पुर्नजीवित करने बाबत अपने प्रतिवेदन में लेख किया है कि संस्था वर्तमान में भी पूर्ण से कार्यशील है ऐसी स्थिति में संस्था को पुर्नजीवित किया जावे.

परिसमापक के प्रतिवेदन एवं प्रस्तुत अभिलेखों के सुक्ष्म परीक्षण करने के पश्चात् पाया गया कि सोसायटी के अस्तित्व को बनाये रखने के लिए कार्यालयीन आदेश क्र./उपबा/परिसमापन/2019/262 बालोद, दिनांक 02-05-2019 को रद्द करना आवश्यक एवं वांछनीय हो गया है क्योंकि सोसायटी को पुर्नजीवित करने के लिये जो कारण बताये गये हैं उससे मैं संतुष्ट हूँ.

अतएव मैं मुकेश कुमार ध्रुव उप पंजीयक सहाकारी संस्थाएँ बालोद छ. ग. शासन सहकारिता विभाग के विज्ञप्ति क्र./एफ/15-19/15-02/03 दिनांक 04 मई 2012 द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए परिसमापन आदेश क्र./उपबा/परिसमापन/2019/262 बालोद, दिनांक 02-05-2019 को रद्द करता हूँ एवं छ. ग. सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा 69 (4) के अंतर्गत प्रगतिशील खदान मजदूर सहकारी समिति मर्या. दल्लीराजहरा पं. क्र. 2655 विकासखंड-डौंडी जिला-बालोद को पुर्नजीवित करता हूँ.

चूंकि संस्था के संचालक मंडल के सदस्यों का कार्यकाल पूर्ण हो चुका है. अतः संस्था के कार्य संचालन हेतु श्री पी. के. मेश्राम अंकेक्षण अधिकारी बालोद को प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त किया करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 23-12-2019 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया जाता है.

**मुकेश कुमार ध्रुव**  
उप पंजीयक

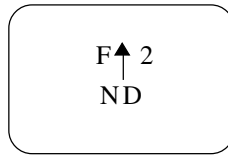
#### वनमण्डल अधिकारी, राजनांदगांव वनमण्डल राजनांदगांव

राजनांदगांव, दिनांक 29 नवम्बर 2019

क्रमांक/759.— सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न दर्शित बीट हेमर राजनांदगांव वनमण्डल के परिक्षेत्र दक्षिण मानपुर के सेण्डेवाही बीट हेतु श्री आनंद कुमार यादव, वनरक्षक को परिक्षेत्र अधिकारी, दक्षिण मानपुर के माध्यम से बीट हेमर गोल क्र. F 2 N D दिनांक 09-06-16 द्वारा जारी किया गया था. श्री आनंद कुमार यादव वनरक्षक से उक्त हेमर बीट भ्रमण के दौरान कहीं गुम हो गया.

गुमशुदा हेमर की खोज बीन किया गया लेकिन हेमर नहीं मिला. उप वनमण्डल अधिकारी, मानपुर का पत्र क्रमांक/1422 दिनांक 16-11-19 का अवलोकन करने के बाद निम्न आदेश पारित किया जाता है.





आदेश

वन वित्तीय नियम की धारा 124 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए उक्त बीट हैमर गोल क्र. F 2 N D वनमण्डल के अभिलेख से अपलेखित किया जाता है तथा उसकी कीमत 200/- श्री आनंद कुमार यादव, वनरक्षक से वसूल करने का आदेश पारित किया जाता है.

यदि किसी व्यक्ति को उक्त बीट हैमर मिले तो उसे समीपस्थ पुलिस थाना या वन कार्यालय में जमा करें. कोई व्यक्ति उसे अवैधानिक रूप से रखे हुए या उपयोग करते हुए पकड़े जाने पर उसके विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 63 के अंतर्गत अभियोग लगाया जावेगा तथा वह दण्ड का भागी होगा.

**बी. पी. सिंह**  
वन मंडल अधिकारी